हरी मेरे जीवन प्राण आधार (मीरा बाई)

हरी मेरे जीवन प्राण आधार

और आसरो नहीं तुम बिन
तीनो लोक मझार

आप बिना मोहे कछु ना सुहावे
निरख्यो सब संसार

मीरा कहे मई दासी रावरी
दीजो मति बिसार

कवि : मीरा बाई
स्वर : कपिल शर्मा

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/1326/title/hari-mere-jeewan-pran-aadhar-by-Meera-bai

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |